**सीन 8**

**लाइट्स अप। राम और सीता मंच में प्रवेश करते हैं। वे जंगल के किनारे पर खड़े हैं और दूरी में अपनी मातृभूमि देख सकते हैं। पथ प्रकाशित हो चुकी है।.**

सीता: 14 साल हो गए, अब हम अपने सही घर लौटते हैं।

रमा: हम किस रास्ते जाते हैं?

सीता: हमें रोशनी का पालन करना चाहिए। रोशनी हमें राह दिखाएगी।

राम : इस मार्ग पर जितने प्रकाश हैं, उससे कहीं अधिक आकाश में हैं।

**राम और सीता रास्ते में चलते हैं और फिर मंच से बाहर निकलते हैं।**

कथावाचक ४: अपने वतन के लोगों को भी एहसास हो गया था कि १४ साल बीत चुके हैं। यह एक अंधेरी रात थी, इसलिए उन्होंने राम और सीता को घर वापस आने का रास्ता दिखाने के लिए दीये जलाए। उनकी वापसी पर, विशाल उत्सव हुए और राम और सीता को सही राजा और रानी का ताज पहनाया गया। प्यार की इस कहानी और बुराई पर अच्छाई की जीत को याद करते हुए हिंदू हर साल दिवाली मनाते हैं।

**समाप्त**